PART-**1**

यूनानी भूगोलवेत्ता- पोसीडोनियस

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

SNSRKS महाविद्यालय सहरसा

यूनानी भूगोलवेत्ता (Greek Geographers)

पृथ्वी के विभिन्न भागों के पर्यावरण और उनके निवासियों की जीवन पद्धति पर वर्णनात्मक लेखन का आरंभ यूनान में नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व में हो गया था । तत्कालीन महाकवि होमर (Homer) की दो काव्य रचनाओं में महत्वपूर्ण भौगोलिक वर्णन मिलते हैं। इसके पश्चात् के वर्षों में थेल्स (Thales), अनेग्जीमैण्डर (Anaximander), हेकैटियस् (Hecataeus), हेरोडोटस (Herodotus), अरस्तू (Aristotle), थियोफ्रेस्टस (Theophrastus), इरेटोस्थनीज (Eratosthenes), पोलीबियस (Polybius), हिप्पारचुस (Hipparchus), पोसिडोनियस (Posidoneus) आदि प्रमुख यूनानी विद्वानों ने भौगोलिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रांकित पंक्तियों में इन यूनानी विद्वानों के योगदानों की संक्षिप्त चर्चा की गयी है।

(12) पोसीडोनियस (Posidonius)

पोसीडोनियस (135-50 ई० पू०) मुख्यतः एक भौतिक भूगोलवेत्ता थे जिन्होंने स्पेन के बंदरगाह गेडीज के तट पर ज्वार-भाटा की खोज की थी और सारडीनिया द्वीप से दूर समुद्र की गहराई को नापने का अग्रणीय कार्य किया था । उन्होंने मैदानों के निर्माण और क्राउन क्षेत्र (दक्षिणी फ्रांस) में बजरियों (gravels) के निर्माण प्रक्रिया का भी अन्वेषण किया था । उन्होंने ज्वार-भाटा का प्रेक्षण बड़ी सावधानी से किया था और निष्कर्ष निकाला था कि ज्वार की सर्वोच्च ऊंचाई पूर्णिमा और अमावश्या के आस-पास पायी जाती है। उन्होंने समुद्र विज्ञान की एक पुस्तक (The Ocean) भी लिखा था।

पोसीडोनियस ने पृथ्वी की परिधि का परिकलन किया था। उन्होंने रोड्स (Rhodes) और अलेक्जण्डरिया स्थानों पर कोनोपस (Conopus) नामक तारे की क्षितिज पर ऊँचाई का प्रेक्षण किया था। उनके अनुसार ये दोनों स्थान एक ही याम्योत्तर (meridian) पर स्थित थे। जलयान की यात्रा में लगने वाले समय के आधार पर उन्होंने दोनों स्थानों के बीच की दूरी का अनुमान लगाया था । उनके परिकलन के अनुसार पृथ्वी की परिधि 18000 मील थी जो वास्तविक परिधि की मात्रा 2/3 थी। अपने आकलन द्वारा उन्होंने

यह भी अनुमान लगाया था कि यूरोप के पश्चिमी तट से पश्चिम की ओर जलयान द्वारा यात्रा करने पर भारत के पूर्वी तट पर पहुँचा जा सकता है। इसी आकलन के आधार पर कोलम्बस ने भारत की खोज में पश्चिम की ओर यात्रा की थी किन्तु पाया उसने अमेरिका। पोसीडोनियस की माप के आधार पर ही टालमी ने विश्व का मानचित्र बनाया था जिसमें पृथ्वी का आकार वास्तविक से छोटा दिखाया गया था।